विषय-सूची

	पूर्वरंग	(ix)
१.	प्रेक्षा-प्रवृत्ति	१
२.	भरत-सम्मत प्रेक्षागृह	११
३.	सरगुजा की रामगढ़-नाट्यशाला	२८
४.	माण्डव की नाट्यशाला	३२
५.	मत्तवारणी	३४
६.	जर्जर	३९
७.	नाट्यशास्त्र के उत्पत्ति-मिथक की सामाजिक पृष्ठभूमि	५०
८.	नाट्यधारा में राजनीतिक हस्तक्षेप	५७
९.	रंगकर्मियों का इस्तेमाल	६७
१०.	नाट्य-प्रस्तुति के अनुशासन	६९
११.	सांख्य और भारतीय नाट्य	७९
१२.	नाट्यशास्त्र में शान्त रस	८३
१३.	लोकनाट्य और नाट्यशास्त्र	८८
१४.	लोकनाट्य और भाण	९१
१५.	नाट्य-रचना और प्रदर्शन	९७
१६.	भास का कर्णभार	१०९
१७.	लोके हारि च वत्सराजचरितम्	११४
१८.	आचार्य भरत और विक्रमोर्वशीय	१२०
१९.	शूद्रक-पुनः पर्यालोचन	१२५
२०.	वीणावासवदत्ता का रचयिता	१३४

२१.	वीणावासवदत्ता का विदूषक	१४८
२२.	देवीचन्द्रगुप्त तथा किरातार्जुनीय : समान्तर दृष्टि	१४८
२३.	उत्तररामचरित में वीरता की अपेक्षा	१६१
२४.	वाचस्पति मिश्र की टिप्पणी	१६४
२५.	शृंगारमंजरीकथा में नाट्य	१६५
२६.	भोजराजांक	१६९
२७.	रामलीला की परम्परा	१७५
२८.	उज्जयिनी का संस्कृत रंगमंच	१७८
२९.	राज कपूर और भारत की क्लासिकी परम्परा	१८७
३०.	अपने युग का सजग चितेरा	१९१
३१.	वीणावासवदत्ता-संस्कृत रंगमंच पर एक और उपक्रम	१९७
३२.	कुछ प्रस्तुतियाँ	२०२
	शब्दानुक्रमणिका	२०६